

~~54/4 8111~~



(1)

卷之二

100

नानाशंकर चंद्रमा विष्णु कृष्ण लक्ष्मी गणेश महादेव
गणगिरि पात्र (चिक्की) - रमेश भाटाजा ग
पल्ली बिल्ली गुरु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु

(5)

स्वीकृति

१६८

स्वीकृति अवधि राजनीति राजनीति
स्वीकृति अवधि राजनीति राजनीति
जिन्होंने देश का लोकोपयोग करके देश का लोकोपयोग करके
देश का लोकोपयोग करके देश का लोकोपयोग करके

(6)

गैरिक धनिकाम न जो विद्यालय गोपये च वासी इसका
मुट्ठी देवता न उपजात विद्यालय गोपये च वासी
पर्याप्त धन देवता विद्यालय गोपये च वासी
द्यावानी देवता विद्यालय गोपये च वासी

युवानी देवता विद्यालय गोपये च वासी

प्राचीन देवता विद्यालय गोपये च वासी

प्राचीन मुर्खावान देवता विद्यालय गोपये च वासी

प्राचीन मुर्खावान देवता विद्यालय गोपये च वासी

The Rajendra Sanshodhan Mandal, Dhule and the
Government Sanshodhan Pravatanam
Joint Project
Murshadpur, Murshadpur

चान्दनीरमार्गेत्यत्येष्ट्रमामामायाम
अत्रामागांधिकामामामायाम
वद्यमदिविलुलिविलमिलामाम
कामामामामामामामामामामाम
द्वामामामामामामामामामामाम
स्वयम्भयोग्यामामामामामामाम
रामामामामामामामामामामाम
रामामामामामामामामामामाम
द्वामामामामामामामामामामाम
स्वयम्भयोग्यामामामामामामाम
जहामामामामामामामामामाम
स्वयम्भयोग्यामामामामामामाम
हेमामामामामामामामामामाम
स्वयम्भयोग्यामामामामामामाम
रामामामामामामामामामामाम
वप्यमामामामामामामामामाम
जामामामामामामामामामामाम
जामामामामामामामामामामाम

(9)

मीरीही

८४२

स्त्रीलिंगेत्तरामन्यमिहाम
नादोन्मामतावास्यपवीप
प्रदृशमन्मुक्त्वा राजा
नमोरन्धिष्ठानं पवित्रिष्ठान
प्राणिनेत्रामामामामामाम
रप्तामामामामामामामाम
रमिष्ठानप्राणिनेत्रामामाम
कामिष्ठानभृत्यामामामाम
नामिष्ठानमिष्ठानमिष्ठान
प्राणिनेत्रामामामामामाम
किष्ठानमिष्ठानमिष्ठानमिष्ठान
तमिष्ठानमिष्ठानमिष्ठानमिष्ठान
उप्राणिनेत्रामामामामामाम
किष्ठानमिष्ठानमिष्ठानमिष्ठान
उप्राणिनेत्रामामामामामाम
मिष्ठानमिष्ठानमिष्ठानमिष्ठान

गणेशाय नमः विराजामहादेवाय नमः

क्षमाद्यापर्याप्ताय

प्रसादाय नमः विराजामहादेवाय नमः

वरदाय नमः विराजामहादेवाय नमः

दध्नवदाय नमः विराजामहादेवाय नमः

देवाय नमः विराजामहादेवाय नमः

न अपराह्णाय न अपराह्णाय नमः

नमः

(१२)

३५

(13)

नीति न रमाति वद्य दृष्टि मराइ चित्त
उपरिलिपि उल्लिख प्राप्ति राम विशेषा भवति
कर्त्तव्य विलंग उपराजु विद्यमाति विशेषा
उग्रदूला ॥ वेदो धम्भति भवति विशेषा
देवी प्रभाति विशेषा प्रदूलो भवति विशेषा
उपराजु विलंग उपराजु विशेषा
स्त्री दूल-प्रभाति विशेषा भवति विशेषा
वेदो राम विलंग उपराजु विशेषा
हीरी विशेषा भवति विशेषा
नाम विशेषा भवति विशेषा
स्त्री प्रभाति विशेषा भवति विशेषा
लापद्वयोर्विशेषा भवति विशेषा
दूल विशेषा भवति विशेषा
घाणा विशेषा भवति विशेषा
विशेषा दूल विशेषा भवति विशेषा
स्त्री विशेषा भवति विशेषा
ज्ञान विशेषा भवति विशेषा
विशेषा भवति विशेषा
विशेषा भवति विशेषा
विशेषा भवति विशेषा

(15)

चैत्रारनस्तमिपर्वतस्त्रियाद्युपाद्य
गांधीश्वरस्तमिपर्वतस्त्रियाद्युपाद्य
उद्दिग्निरेत्यितमित्याद्युपाद्य
स्वयंकृष्णमित्याद्युपाद्य
कर्त्तव्यमित्याद्युपाद्यप्रति
पद्मप्रपत्तिमित्याद्युपाद्य
मित्याद्युपाद्य
श्वयमित्याद्युपाद्य
जलमित्याद्युपाद्य
उद्धरमित्याद्युपाद्य
मित्याद्युपाद्य
आमित्याद्युपाद्य
रसमित्याद्युपाद्य
चरणमित्याद्युपाद्य
यमित्याद्युपाद्य
भायमित्याद्युपाद्य
चलमित्याद्युपाद्य
निषमित्याद्युपाद्य
छायमित्याद्युपाद्य
स्वयमित्याद्युपाद्य
रथमित्याद्युपाद्य



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com